देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 15 अंक: 27 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...कुछ सेवाओं को सशर्त छूट

पेज थ्री

देहरादून, बुधवार, 22 अप्रैल 2020

मौसम अधिकतम 30.0° न्यूनतम 18.0°

30539.64 | 2 बचने के लिए पाकिस्तान की बड़ी चाल | 7 अब कैसे देंगे गेंदबाजी को धार!

संक्षिप्त समाचार

मुस्लिमों के लिए जन्नत है भारतः नकवी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत में मुसलमानों के प्रति ठीक व्यवहार ना होने के आरोप पर केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा है कि भारत मुसलमानों के लिए जन्नत है और जो लोग इस माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, वो भारतीय मुसलमानों के दोस्त नहीं हो सकते। नकवी ने दरअसल ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन को भारत की ओर से जवाब दिया। दो दिन पहले, ओआईसी ने कहा था कि भारत अपने मुस्लिम समुदाय के अधिकारों की रक्षा के लिए फौरन कदम उठाए और देश में इस्लामोफोबिया के मामलों को रोके।

डिंको सिंह को एयर एंबुलेंस से दिल्ली लाया जाएगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज डिंको सिंह को भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) 25 अप्रैल को यहां लाएगा जिससे कि लीवर के कैंसर का उनका उपचार दोबारा शुरू हो सके। कोरोना वायरस के कारण देश भर में जारी लॉकडाउन के कारण डिंको की पूर्व निर्धारित रेडिएशन थेरेपी नहीं हो पाई थी। इम्फाल में रह रहे 41 साल के डिंको की रेडिएशन थेरेपी एक पखवाड़ा पहले होनी थी लेकिन लॉकडाउन के कारण वह दिल्ली नहीं आ पाए।

ममता बनर्जी लॉकडाउन पर राजनीति कर रही हैं?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे के बीच सियासत तेज हो गई है। पहले ममता बनर्जी सरकार पर कोरोना वायरस से मरने वालों का आंकड़ा छिपाने का आरोप लगा। अब लॉकडाउन का सख्ती से पालन नहीं होने का मामला गरमाया हुआ है। केंद्र ने जहां आईएमसीटी भेजने का फैसला किया है, वहीं ममता बनर्जी इसको हरी झंडी देने के लिए राजी नहीं हैं।

29 को ही खुलेंगे केदार के कपाट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जोशीमठ। कोरोना वायरस के संक्रमण काल के बीच भले ही देश के तमाम मंदिरों की धार्मिक गतिविधियों पर रोक लगी हो, लेकिन सब बावजूद केदारनाथ के कपाट खुलने की तिथि नहीं बदलेगी। केदारनाथ मंदिर के रावल द्वारा केदार के तीर्थ पुरोहित और अधिकारियों की बैठक कर यह निर्णय लिया है कि केदारनाथ के कपाट पूर्व में तय किए वक्त पर ही खोले जाएंगे।

पूर्व में बसंत पंचमी के दिन भगवान केदारनाथ धाम के कपाट 29 अप्रैल को प्रातः 6:10 पर खोलने का मुहूर्त तय था जिस पर मंदिर के पंडे पुजारी और रावल अब भी कायम हैं। केदारनाथ के कपाट खोलने को लेकर राज्य के धर्मस्व और पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के बयान

मंदिर प्रशासन ने सभी पक्षों की बैठक के बाद लिया फैसला

क्वारंटाइन होंगे बदरी-केदार के रावल

बदरीनाथ और केदारनाथ के रावलों को 14 दिन की अवधि क्वारंटाइन में बितानी होगी। चारधाम देवस्थानम बोर्ड के सीईओ रविनाथ रमन के अनुसार केदारनाथ के रावल पहले ही ऊखीमठ पहुंच चुके हैं, जबकि बदरीनाथ के रावल सोमवार को ऋषिकेश पहुंचे हैं। बदरी-केदार धाम में दक्षिण भारतीय ब्राह्मणों से पूजा कराने की परंपरा आद्य शंकराचार्य ने स्थापित की थी। केदारनाथ धाम के मुख्य पुजारी शिव शंकर लिंग बताते हैं कि शंकराचार्य ने देश को एक सूत्र में पिरोने के ध्येय से यह परंपरा शुरू की।

कि केदारनाथ के कपाट 14 मई को खुलेंगे से केदार तीर्थ पुरोहितों और पंडों के बीच विवाद बढ़ने लगा था।

सभी पक्षों की बैठक के बादः इसके बाद इस विवाद पर लगाम लगाने को केदारनाथ के रावल भीमाशंकर लिंग ने मंगलवार सुबह सभी पक्षों की बैठक बुलाई। इस बैठक में मंदिर के कपाट को तय तिथि पर ही खोलने का फैसला किया गया। इस निर्णय के बाद केदारनाथ धाम के कपाट खोलने को लेकर हक हकूधारियों और प्रशासन के बीच टकराव के आसार पैदा हो गए हैं।

मंत्री ने कहा था- 14 मई को खुलेंगे कपाटः प्रशासन इस पक्ष में है कि कपाट खोलने की तिथि बदलनी चाहिए। राज्य के पर्यटन मंत्री ने तो कल नई तिथि की घोषणा भी कर दी थी, लेकिन मंगलवार को हुआ फैसला इससे अलग हो गया।

पर्यटन मंत्री ने केदार के कपाट 14 मई को खुलने की जानकारी देकर इस मामले में विवाद को हवा दे दी थी। इससे असंतुष्ट मंदिर के तीर्थ पुरोहितों ने मंदिर में कपाट खोलने की तिथि को स्वीकार नहीं किया और पुरानी तिथि पर ही कपाट खोलने का ऐलान कर दिया।

26 को खुलेंगे यमुनोत्री के कपाट

उत्तरकाशी। यमुनाजी के शीतकालीन प्रवास खरसाली में देवी यमुना का प्रकटोत्सव लॉकडाउन के कारण सामान्य रूप से शारीरिक दूरी के साथ मनाया गया। इस दौरान यमुनाजी के निसाणों (प्रतीक चिह्नों) का अभिषेक कर दीपदान हुआ और यमुनोत्री धाम के कपाट खोलने का मुहूर्त भी निकाला गया। धाम के कपाट अक्षय तृतीया पर्व पर 26 अप्रैल को अभिजीत मुहूर्त में दोपहर 12.41 बजे खोले जाएंगे।

मान्यता है कि चौत्र शुक्ल षष्ठी को यमुनाजी पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। इसलिए यह दिन उनके मायके खरसाली में उत्सव के रूप में मनाया जाता है। सोमवार सुबह यहां पुजारियों और यमुनोत्री मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने देवी यमुना की पूजा-अर्चना की। फिर यमुनाजी की भोग मूर्ति को पंचगव्य से स्नान कराकर, उन्हें गाय के घी से बने पारंपरिक व्यंजनों का भोग लगाया।

लॉकडाउन में ढील पर डब्ल्यूएचओ की चेतावनी

धीमी हो शुरुआत नहीं तो झेलने पड़ेंगे परिणाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जेनेवा। दुनियाभर में कोहराम मचा रहे कोरोना वायरस पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक और चेतावनी जारी की है। डब्ल्यूएचओ ने दुनिया के देशों को साफ किया है कि कोविड-19 के कारण लॉकडाउन खत्म करने पर एहतियात बरतना जरूरी है। विश्व संस्था ने कहा है कि जल्दीबाजी के कारण यह वायरस फिर से मुश्किलें पैदा कर सकता है।

दुनिया के कई देश अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए लॉकडाउन में ढील देना शुरू कर चुके हैं। डब्ल्यूएचओ के पश्चिम प्रशांत क्षेत्र के

बेरोजगारी का सता रहा डर

कोरोना के भय के बीच लॉकडाउन खत्म करना अर्थव्यवस्था को बचाने की पहल के तौर पर देखा जा रहा है। कई देशों के राजनेता आर्थिक मंदी की आहट के बीच बेरोजगारी बढ़ने को चिंता जता चुके थे। मांग में कमी के कारण अमेरिका में क्रूड की कीमतें माइनस में चली गई है।

अमेरिका की भी बड़ी तैयारीः अमेरिका जो उद्योग धंधे शुरू हुए हैं वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए राहत की खबर है।

निदेशक ताकेशी कसई ने मंगलवार को कहा, यह समय बेपरवाह होने का नहीं है। इसके इतर हमें भविष्य के लिए अपने रास्ते तैयार करने होंगे। उन्होंने कहा कि सरकारों को कोरोना के संक्रमण रोकने के प्रति सतर्क होना पड़ेगा। इसके अलावा लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग जैसे कदमों को धीरे-धीरे हटाना पड़ेगा। लोगों की जान को बचाने और अर्थव्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के बीच एक बैलेंस बनाना होगा।

स्वास्थ्य अधिकारियों की चिंता के वाबजूद अमेरिका के कई राज्यों ने लॉकडाउन खत्म करने की योजना का खुलासा किया है।

राहतः अब लोग तेजी से ठीक भी हो रहे हैं

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस तेजी से अपना पैर पसार रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक अब तक देश में संक्रमण के 18,601 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। इनमें से 590 लोगों की मौत भी हो चुकी है। हालांकि, इस बीच एक अच्छी और राहत भरी खबर यह है कि अब लोग तेजी से ठीक भी हो रहे हैं। देश में अब तक 3,252 मरीज इलाज के बाद पूरी तरह ठीक हो चुके हैं। अकेले सोमवार को 705 मरीज ठीक हुए जो देश में किसी भी एक दिन में कोरोना से मुक्त होने वालों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। पिछले कुछ दिनों से कोरोनामुक्त होने वाले लोगों की तादाद भी बढ़ रही है। कोरोना वायरस के खिलाफ भारत की जंग में यह बहुत ही शुभ संकेत है। पिछले कुछ दिनों के आंकड़े को देखें तो 15 अप्रैल को 183 लोग ठीक हुए थे। अगले दिन यानी 16 अप्रैल को यह संख्या बढ़कर 260 हो गई। 17 अप्रैल को 243 लोग कोरोना से मुक्त हुए तो 18 अप्रैल को 239 लोग। इसी तरह 19 अप्रैल को 316 मरीज इलाज के बाद स्वस्थ हुए।

शिवराज कैबिनेटः 5 मंत्रियों ने ली शपथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■सिंधिया कोटे से 2 लोग शामिल

भोपाल। कोरोना क्राइसिस के बीच शिवराज सिंह चौहान के कैबिनेट का विस्तार हो गया है। टीम शिवराज में 5 लोगों को शामिल किया गया है। दिल्ली से सोमवार शाम को हरी झंडी मिलने के बाद सीएम शिवराज सिंह चौहान ने गवर्नर लालजी टंडन से बात की थी। उसके बाद राजभवन में शपथग्रहण की तैयारी शुरू हो गई थी। सबसे पहले नरोत्तम मिश्रा ने शपथ ली है। उसके बाद सिंधिया खेमे के तुलसी सिलावट ने शपथ ली। तुलसी सिलावट कमलनाथ की सरकार में भी स्वास्थ्य मंत्री रहे हैं। तुलसी के बाद बीजेपी विधायक कमल पटेल ने मंत्री पद की शपथ ली है। कमल पटेल हरदा से विधायक हैं। ये पूर्व सीएम उमा भारती के करीबी हैं। इसके साथ ही सिंधिया कोटे से गोविंद सिंह राजपूत ने भी मंत्री पद की शपथ ली है। गोविंद सिंह राजपूत कमलनाथ की सरकार में परिवहन मंत्री रहे हैं।

मानपुर से 5 बार विधायक रहीं मीना सिंह ने भी मंत्री पद की शपथ ली हैं। बीजेपी ने जो टॉस्क फोर्स बनाई थी, उसमें भी मीना सिंह शामिल थी। पार्टी की आदिवासी चेहरा हैं। बताया जाता है कि प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की करीबी हैं। इस बार शिवराज कैबिनेट में जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश की गई है।

देशभर में संक्रमण की दर में सुधार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

डबलिंग रेट 3.4 से बढ़कर 7.5 हुआ,ठीक होने का प्रतिशत भी बढ़ा

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमण में बढ़ोत्तरी के बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने अच्छी खबर दी है। देश में पिछले 7 दिनों के डेटा के अनुसार कोरोना वायरस के मामलों की डबलिंग रेट 3.4 से बढ़कर 7.5 हो गई है। वहीं, 19 अप्रैल तक के डेटा के अनुसार देश में 18 राज्यों में कोरोना वायरस के संक्रमण की दर राष्ट्रीय स्तर से कम रही है। अबतक देशभर में कोरोना के 2546 मरीज ठीक हो चुके हैं, जो कुल मरीजों के 14.75 फीसदी हैं।

देश के 59 जिले कोरोना मुक्त

देश में 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 59 जिले कोरोना से मुक्त हो गए हैं। इन जिलों में पिछले 14 दिनों से कोरोना का कोई केस नहीं आया है। वहीं, पुदुचेरी में माहे, कर्नाटक में कोडागु और उत्तराखंड में पौड़ी गढ़वाल में पिछले 28 दिनों में कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। वहीं गोवा राज्य पूरी तरह कोरोना मुक्त हो गया है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in